BA Part III (H)

Paper IV

Lecture II

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assisted Professor(GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

गोत्र (परिभाषाएं) => कुछ महत्वपूर्ण परिभाषाएं गोत्र की इस प्रकार हैं –

राल्फ पिडिंगटन के अनुसार, "एक गोत्र जिसे कभी-कभी कुल या सैब भी कहते हैं, एक बहिर्विवाही सामाजिक समूह है, जिसके सदस्य अपने आपको एक दूसरे से सम्बन्धित समझते हैं, जो साधारणतया अपनी उत्पत्ति एक काल्पनिक वंशानुक्रम द्वारा किसी सामान्य पूर्वज से मानते हैं।

इस कथन से स्पष्ट है कि गोत्र को कुल या सैब के नाम से भी जाना जाता है। गोत्र एक बहिर्विवाही समूह है। यानि वे आपस में विवाह नहीं कर सकते हैं। वे उत्पत्ति एक सामान्य पूर्वज से मानते हैं। यह पूर्वज काल्पनिक हो सकता है।

डी. एन. मजूमदार एवं मदान के अनुसार, " एक गोत्र अधिकांश रूप में कुछ वंशों का योग होता है और वे अपनी उत्पत्ति एक काल्पनिक पूर्वज से मानते हैं जो कि मानव, मानव के समान पशु, पेड़ पौधा या निर्जीव वस्तु तक हो सकता है।

2020-8-11 08:16

इससे स्पष्ट होता है (a) जिन लोगों का पूर्वज एक होता है, वे अपने को एक गोत्र का मानते हैं (b) वे पूर्वज वास्तविक अथवा काल्पनिक हो सकते हैं। (c) वे पूर्वज पशु, पेड़, पौधा या निर्जीव वस्तु हो सकते हैं।

डी. एस. रिवर्स के अनुसार " एक पक्षीय परिवार में पुरुष अथवा स्त्री में से किसी एक की वंश परम्परा गिनी जाती है, इसी एक पक्षीय वंश परम्परा में ही व्यक्ति का कहीं न कहीं उत्तराधिकार के रूप में स्थान होता है। व्यक्ति का परिवार में उत्तराधिकार की दृष्टि से स्थान निर्धारण करने वाले इस एक पक्षीय वंश समुदाय का नाम गोत्र है।

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि गोत्र एक पक्षीय परिवारों का ऐसा संकलन है जिनके सदस्य अपने को एक वास्तविक या काल्पनिक सामान्य पूर्वज के वंशज मानते हैं।

2020-8-11 08:16